हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 8 जुलाई 2024

तापमान

अधिकतम 32 .3 डिग्री
न्यूनतम 23 .6 डिग्री

11 14 करोड़ 90 लाख की लागत से बरसाती पानी ...

12 परमात्मा की आज्ञाओं का पालन करें

शहर में आज

- उपायुक्त कार्यालय में समाधान शिविर में सुनी जाएंगी समस्याएं।
- नगर निगम की टीम प्रोपर्टी सर्वे के लिए जाएगी डोर टू डोर।
- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन।
- नगर निगम की चार टीम नालों की सफाई के लिए चलाएंगी अभियान।
- रोडवेज डिपो में कर्मचारियों की मीटिंग।

खबर संक्षेप

कैडेट्स को योग का महत्व बताया

रोहतक। हरियाणा कन्या वाहिनी द्वारा आयोजित महारानी किशोरी महाविद्यालय में चल रहे वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में रविवार को कैडेट्स को योगाभ्यास करवाया गया। साथ ही योग का महत्व भी बताया। इसके अलावा देश में लिंगानुपात की दर में सुधार लाने के लिए के समाज को जागरूक करने के उद्देश्य के साथ बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ की मुहिम पर जागरूकता रैली निकाली गई। शिविर में आत्मरक्षा के गुर भी सिखाए गए। वन विभाग डिप्टी रेंज ऑफिसर हितेश डागर ने कैडेट्स को वृक्षों का महत्व बताया।

बैंसी गांव के पेट्रोल पंप पर रेत से भरी गाड़ी चोरी

रोहतक। कस्बा लाखनमाजरा में बैंसी गांव के पेट्रोल पंप पर रेत से भरी गाड़ी चोरी कर ली गई। भिवानी जिला हालूवास गेट न्यू बस्ती के रहने वाले धर्मेंद्र ने लाखनमाजरा पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बैंसी गांव निवासी सूरजभान को गाड़ी पर ड्राइवर रखा हुआ है। छह जुलाई को रात में रेत से भरी गाड़ी को पेट्रोल पंप पर खड़ा कर दिया था। जब अगले दिन सुबह देखा तो गाड़ी नहीं मिली। कोई व्यक्ति गाड़ी को चोरी कर ले गया। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लिव-इन पार्टनर के साथ रहने वाली महिला लापता

रोहतक। शहर की एक कालोनी में लिव-इन पार्टनर के साथ रह रही महिला संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। अब महिला के साथी ने पुलिस को शिकायत दी है। जानकारी के अनुसार, युवक ने सिविल लाइन थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी लिव-इन पार्टनर लापता हो गई है। वह रोहतक की एक कालोनी में किराये पर रहता है। वह 17 अप्रैल 2023 से कालोनी में किराये के मकान में एक युवती के साथ लिव-इन-रिलेशनशिप में रह रहा था। वह पांच जुलाई को घर से बिना बताए कहीं चली गई। जब इस बात का पता चला तो शिकायतकर्ता ने अपने स्तर पर तलाश करने की कोशिश की।

गांव बलियाणा के खेत में आए युवक से मारपीट

रोहतक। गांव बलियाणा निवासी एक युवक के साथ खेत मालिक ने रास्ता रोकर मारपीट शुरू कर दी। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित मोहित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह मारूति कंपनी आइएमटी में नौकरी करता है। छह जुलाई दोपहर करीब दो बजे मैंने अपने दोस्त विकास के पास फोन किया और विकास ने कहा कि खेत में काम कर रहे हैं और भूख लगी है। समोसे और दो लीटर कोल्डड्रिंक ले आना।

महावीर कॉलोनी से वीटा प्लांट चौक तक हुई है खुदाई

डिस्पोजल पाइपलाइन के लिए की थी सड़क की खुदाई, अब बन रही हादसों का कारण

- रोजाना वाहन चालक गिरकर हो रहे है चोटिल
- टूटी सड़क की वजह से रोड वन वे, धूल से जीना दूभर
- राहगीरों और कॉलोनी निवासियों में भारी रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

शहर की दर्जनों कॉलोनियों को जलभराव से बचाने के लिए महावीर कॉलोनी में डिस्पोजल प्लांट तैयार किया गया है। जिसके लिए प्लांट से लेकर वीटा प्लांट चौक तक सड़क की खुदाई करवाई गई और पाइप लाइन दबाई गई। पाइप को दबाए हुए दो माह से ज्यादा का समय हो गया है। टूटी सड़क की वजह से रोड वन वे है और रोजाना हादसे होते रहते हैं। इसके अलावा उड़ती धूल की वजह से स्थानीय निवासी और दुकानदारों का तो जीना दुभर हो गया है। सड़क निर्माण न होने से लोगों में रोष व्याप्त है।

करीब 24 करोड़ की लागत से महावीर कॉलोनी में राहड रोड सहित आसपास के एरिया को जलभराव से बचाने के लिए प्लांट लगाया गया है। दो माह पहले पाइप दबाने के लिए खुदाई की गई थी। इसकी वजह से कई दिन तक सुखपुरा चौक पर वन वे रहा। अब टीबी अस्पताल से लेकर सुखपुरा चौक तक दोनों तरफ वाहनों का आवागमन है लेकिन सड़क टूटी पड़ी है। इसकी वजह से हादसे होते रहते हैं। सुखपुरा चौक पर दिनभर जाम लगा रहता है। इसके अलावा सुखपुरा चौक से वीटा प्लांट तक एक तरफ खोदी गई मिट्टी समतल नहीं की गई है। जिसकी वजह से वन वे पर वाहनों की भीड़ लगी रहती है। जाम की वजह से न केवल हादसे होते हैं बल्कि लोग जाम से परेशान होकर आपस में मारपीट तक करने लग जाते हैं।

रोहतक। पाइल लाइन दबाने के लिए तोड़ी गई सड़क। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। रास्ता वनवे करने से बढ़ी परेशानी। फोटो : हरिभूमि

जून 2023 में मंत्री ने किया था उद्घाटन

मंत्री डॉ बनवारी लाल ने इस योजना का शुभारम्भ जून 2023 में किया था। जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा बनाए जा रहे डिस्पोजल सिस्टम के लिए जो पाइप दबाई गई हैं, उनकी लम्बाई सबसे अधिक है। यह अकेला ऐसा सिस्टम है, जिसकी पाइप की लम्बाई पौने पांच किलोमीटर तक है। इसके लिए 900 व्यास की आरसीसी एनपी-2 पाइप सीआईपीपी तकनीक से बिछाई गई है।

यहां-यहां तोड़ी गई सड़क

सिंचाई विभाग द्वारा करीब पौने दो करोड़ रुपये सड़क तोड़ने के लिए पीडब्ल्यूडी बीएंडआर विभाग को भी दिए गए थे। पाइप बिछाने के लिए महावीर कॉलोनी, गोहाना रोड, सुखपुरा चौक, हनुमान कॉलोनी के सामने, राजेंद्रा नगर और वीटा प्लांट के पास चौराहे तक एक तरफ की सड़क तोड़ी गई है।

रोहतक। जेएलएन नहर में सर्च अभियान चलाती एनडीआरएफ की टीम।

नहर में डूबे एमबीबीएस छात्र का दूसरे दिन भी नहीं लगा सुराग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

जेएलएन नहर में डूबे एमबीबीएस के छात्र का रविवार को भी सुराग नहीं लग सका। एनडीआरएफ की टीम ने दिनभर सर्च अभियान चलाया। युवक की 20 किलोमीटर दूर तक तलाश की गई, लेकिन उसका पता नहीं चल सका। नहर को खंगाला, लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। युवक का पता नहीं लगने से परिजन सदमे में हैं। नहर में डूबने वाला छात्र विजय कुमार पीजीआइएमएस से एमबीबीएस के द्वितीय वर्ष का छात्र है। वह सोनीपत के गांव राठधना का रहने वाला है। वह शनिवार शाम चार बजे अपने दोस्त मोहित दलाल के साथ जेएलएन नहर में नहाने के लिए गए थे। इसी दौरान दोनों गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। मोहित तेज पानी के बहाव से बचकर नहर किनारे आ गया, जबकि विजय कुमार डूब गया। मोहित ने घटना की सूचना विजय के परिजन और पुलिस को दी। शिवाजी कालोनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल क की गई। इसके बाद एनडीआरएफ की टीम को सूचित किया गया। टीम को सर्च अभियान में कोई सुराग नहीं मिला। इसलिए सोमवार को भी सर्च अभियान चलाया जाएगा।

महमः कोर्ट परिसर के क्वार्टरों का 2.66 करोड़ से होगा सुधार, नई सड़क भी बनेगी

शिकायत पर पहुंचे भाजपा नेता शमशेर खरकड़ा ने निर्माण सामग्री की जांच की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महम

कोर्ट परिसर महम में लगभग 35 साल पहने बनाए गए क्वार्टर जर्जर हाल हो चुके हैं। अब इन क्वार्टरों की मरम्मत का काम शुरू किया गया है। क्वार्टरों में खिड़की, दरवाजे व फर्श का कार्य किया जाना है। साथ ही यहां सड़क का भी निर्माण किया जाएगा। कोर्ट परिसर में होने वाले इन कार्यों पर 2 करोड़ 66 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। इस कार्य में घटिया सामग्री लगाए जाने की शिकायत भाजपा नेता शमशेर खरकड़ा के पास पहुंची। वे तुरंत मौके पर पहुंचे और विभाग के एसडीओ सुरेन्द्र सिंह व जेई को भी वहां बुलाया गया। उसके बाद उन्होंने उनके साथ मौके का मुआयना किया। क्वार्टरों में प्रयोग किए जाने वाली निर्माण सामग्री की जांच की।

घटिया सामग्री बर्दाश्त नहीं

खरकड़ा ने बताया की क्वार्टरों की मरम्मत के लिए 1 करोड़ 26 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। खरकड़ा ने एसडीओ से कहा की घटिया सामग्री लगाए जाने का काम बर्दाश्त नहीं होगा। एसडीओ सुरेन्द्र सिंह ने कहा कि कोई शिकायत नहीं आने दी जाएगी। खरकड़ा ने बताया की यह कार्य दिसंबर माह तक खत्म होगा। इसके बाद की कोर्ट के सामने के स्थान और कोर्ट परिसर के क्वार्टरों में सड़क बनाने के लिए लगभग एक करोड़ 40 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे । यह कार्य भी जल्द शुरू कर दिया जाएगा।

महम। कोर्ट कॉम्पलेक्स के पीछे सरकारी क्वार्टरों में चल रहे मरम्मत कार्य का निरीक्षण करते भाजपा नेता शमशेर खरकड़ा व अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

महिलाओं को दिया जाएगा तीन लाख रुपये तक ऋण

रोहतक। सरकार द्वारा महिलाओं को 3 लाख रुपये तक ऋण दिलवाया जाएगा। यह ऋण मातृशक्ति उद्यमिता योजना हरियाणा महिला विकास निगम के माध्यम से चलाई जा रही है। रोहतक में 2023-24 में 96 केसों का लक्ष्य रखा गया है। योजना के तहत 5 लाख रुपये से कम वार्षिक आय और हरियाणा की स्थाई निवासी महिला योजना के लिए पात्र होंगी। उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि ऋण लेकर महिलाएं ऑटो रिक्शा, छोटा सामान ढोने के वाहन, थ्री व्हीलर, ई-रिक्शा, टैक्सी, सामाजिक व व्यक्तिगत सेवा गतिविधियों के तहत सैलून, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, बुटिक, फोटोस्टेट की दुकान, पापड़ बनाना, अचार बनाना, हलवाई की दुकान, फूड स्टॉल, आइसक्रीम बनाने की यूनिट, बिस्कुट बनाना, टिफिन सर्विस, मिट्टी के बर्तन आदि बनाने का काम शुरू कर सकती हैं।

डीसी अजय कुमार

सांपला में हाइवा ट्रक ने बाइक सवार को कुचला, मौके पर मौत

- बाइकर्स हाइवा में उलझ गया तो चालक उसे आधे किमी तक घसीटते हुए ले गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सांपला

सांपला-खरखौदा मार्ग पर रविवार की देर शाम एक मिट्टी से भरे हाइवा ने एक बाइक सवार को कुचल दिया। जिसकी मौके पर मौत हो गई। घटना को अंजाम देकर हाईवा चालक मौके से फरार हो गया।

इलाके में मिट्टी खनन माफिया सक्रिय है। दिन रात यह लोग खनन का काम कर रहे हैं। सड़क पर दौड़ रहे यम के दूत हाइवा घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। रविवार की देर रात एक मिट्टी से भरकर आ रहे हाईवा ने नया बास सांपला के बीच पेट्रोल पंप के पास एक बाइक को टक्कर मार दी। बाइक हाइवा में उलझ गया तो चालक आधे किलोमीटर तक घसीटते हुए ले गया। राहगीरों ने किसी तरह हाईवा को रुकवाया। तभी चालक गाड़ी को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके में पहुंची और गाड़ी में उलझे शव को बाहर निकला। तब तक वह दम तोड़ चुका था। बताया गया मृतक कस्बे में फोटोग्राफर की दुकान चलाता था। रविवार को वह अपनी माता को हसनगढ़ छोड़कर वापस घर लौट रहा था। जैसे वह नया बास -सांपला के बीच पेट्रोल पंप के पास पहुंचा तो तेज गति से मिट्टी से भरे हाईवे ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी और बाइक को घसीटता हुआ करीब आधा किलोमीटर तक ले गया। देखा जाए तो हवा हवा के हादसे की है पहली खबर नहीं है। लोगों ने बताया कि इससे पहले समचाना के पास व नए बाईपास के पास भी हादसों को अंजाम दे चुके हैं। लेकिन प्रशासन इन बेलगाम चलने वाले यम के दूतों पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहा।

महंगाई डायन एक सप्ताह में ही रेट 30 प्रतिशत तक बढ़ गए, घर का बजट गड़बड़ाया

बारिश में सब्जियों के दाम आसमान पर, नींबू, गोभी, टिंडा और हरी मिर्च ने लगाया शतक, टमाटर 90 रुपये किलो

- लोकल सब्जियां खत्म, बाहर से आ रही सब्जियां बारिश और गर्मी से हो रही दागी
- हिमाचल से टमाटर और गुजरात से आ रहा नींबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

बरसात ने सब्जियों के दाम बढ़ा दिए हैं। नींबू 160, गोभी 110 रूपये किलो, टिंडा, हरि मिर्च 100 रूपये और टमाटर बाजार में 90 रूपये किलो बिक रहा है। इतना ही नहीं लगभग सभी सब्जियों के रेट पिछले 10 दिनों में 30 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। सब्जी व्यापारियों की मानें तो गुजरात, राजस्थान, हिमाचल से सब्जियां आ रही हैं। रास्ते में बरसात और उपर से गर्मी की वजह से सब्जियों में नमी हो जाती है और 40 प्रतिशत से ज्यादा माल खराब हो जाता है। इस कारण सब्जी का रेट बढ़ जाता है। माना जा रहा है अभी मूल्यों में और भी उछाल आएगा। बरसात का मौसम जाने के बाद ही रेट कम होंगे।

सब्जी	होल सेल	रिटेल
टमाटर	45	90
प्याज	38	50
आलू	30	40
गोभी	70	110
भिंडी	48	60
घीया	37	50
तोरी	37	50
शिमला मिर्च	60	90
टिंडा	50	100
नींबू	80	160
करेला	40	60
खीरा	50	70
हरी मिर्च	60	100
बैंगन	30	60
अरबी	30	50

लोकल सब्जियों की पैदावार न के बराबर

लोकल सब्जियों की पैदावार न होने के कारण हिमाचल से टमाटर आ रहा है। वहीं गुजरात से नींबू और राजस्थान से भिंडी, टिंडा और घीया की सब्जी आ रही है।

घर का बजट बिगड़ा

अचानक से सब्जियों के रेट में हुई बढ़ोतरी ने आम आदमी के घर का बजट बिगाड़ दिया है। कुछ दिन पहले 60 रूपये किलो में मिलने वाला टमाटर आज बाजार में 90 रूपये का हो गया है। वहीं गोभी की अगर बात करें तो 70 रुपये किलो मिलने वाली गोभी 110 रुपये के पार हो गई है। इसी तरह से नींबू भी एक सप्ताह पहले 75 रुपये किलो था।

अभी और बढ़ने की संभावना

सब्जी व्यापारियों का कहना है कि बरसात के मौसम में सब्जियों के दाम में उछाल आ जाता है। उन्होंने ये भी बताया कि जब तक बरसात का मौसम है सब्जियां महंगी ही रहेंगी। इतना नहीं नहीं आने वाले दो तीन महीनों में सब्जियों के रेट और भी बढ़ जाएंगे।

जेएलएन नहर में गंदगी डालने से प्रदूषित होता जा रहा जल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

जवाहर लाल नेहरू ब्रांच और दुल्हेडा सब ब्रांच दोनों नहरों का पानी तेजी से प्रदूषित होता जा रहा है। इन नहरों के किनारे बसे गांवों के लोग इन नहरों में मृत पशु, मुर्गी, बची पूजा सामग्री, प्लास्टिक बैग और घर का अन्य कचरा नहरों में डालते रहते हैं। जिसके कारण पांच जिलों रोहतक, झज्जर दादरी, रेवाड़ी और महेंद्रगढ़ को पीने का पानी मुहिया कराने वाली जवाहरलाल ब्रांच का पानी प्रदूषित हो रहा है। प्लास्टिक बैग, मृत पशु, पूजा का समान डालने से नहरों का पानी, पीने लायक नहीं रह गया है। जगबीर मलिक ने बताय कि वर्तमान में दिल्ली बाईपास स्थित नहरों के पुल पर साइफन के कारण मृत पशुओं और पक्षियों में कीड़े चल रहे हैं, वहीं कुछ लोग प्लास्टिक सहित बची पूजा सामग्री और मूर्तियां रोकने के बावजूद इन नहरों में डाल कर जा रहे हैं। रोहतक में सुनो नहरों की पुकार मिशन टीम हर रोज यहां लोगों को यह समझाने में लगी रहती है। लेकिन लोग नहीं सुधर रहे।

फ्रीडा खामोश रहने लगी थी

1954 आते-आते फ्रीडा खामोश रहने लगी। उसके फेफड़ों की नलियां खराब हो चुकी थीं। एक दिन सुबह के छह बजे जब नर्स उसके कमरे में आई तो उसने देखा फ्रीडा की आंखें खुली हुई हैं। मौत से पहले उसने अपनी डायरी में अंतिम बार लिखा-मुझे आशा है कि मेरा अंत सुखद होगा और मैं लौटकर वापस कभी नहीं आऊंगी। 14 जुलाई को छह सौ से अधिक लोगों ने उसे अंतिम विदाई दी। उसे ऑटोमैटिक कॉर्ट पर रखा गया। अवन के दरवाजे खुले और फ्रीडा की मृत देह आग की तरफ गई। उसके बाल जलने लगे, लेकिन लोगों ने देखा उसका चेहरा सूरजमुखी के फूल की मानिंद खिल गया था जिस पर मुस्कुराहट थी।

उजालों में छुपी लड़की फलक का रंग-रोशन कर गई.....

जयंती विशेष | गीता यादव

छह जुलाई, 1907। मैक्सिको का उपनगर कोयोअकैन। बारिश की बूंदों से नहाई एक सुबह। फ्रीडा काहलो बारिश की बूंदों पर नन्हे-नन्हे पैर धरते हुए इस दुनिया में आईं थीं। बारिश की वे बूंदें, जैसे दुख बनकर उसके जीवन में सदा के लिए ठहर गईं। जो आंसुओं की शक्ल में उनकी आंखों से यदा-कदा बाहर आती रहीं। मिसेज मटिल्डा काल्डेरोन और मिस्टर गिलर्मो काहलो की तीसरी बेटी माग्दालेना कारमेन फ्रियदा (फ्रीडा) की पैदाइश के बाद से ही मां की सेहत गिरने लगी। नर्स की छाती से लगकर फ्रीडा ने मातृ सुख का अनुभव किया। फ्रीडा के जन्म के तीन साल बाद मैक्सिकन क्रांति की शुरुआत हुई, जिसका असर जल्द ही पूरे मैक्सिको में नजर आने लगा। गोरिल्ला आर्मी का आतंक बढ़ गया था। इसी आतंक के साए में फ्रीडा स्कूल जाने लगी। मैक्सिको सिटी के जर्मन प्राथमिक स्कूल में वह अपनी बहन के साथ जाती। बड़ी शरारती थी वह, लेकिन पढ़ाई में अव्वल। छह वर्ष की मासूम फ्रीडा एकाएक पोलियो की गिरफ्त में आ गई। उसका दायां पैर पतला हो गया। अपने पैरों को छुपाने के लिए उसने ऊंची एड़ी के जूते और लंबी रंगीन स्कर्ट पहननी शुरू कर दी। बच्चे उसे टूटी टांग वाली फ्रीडा कहकर उसका मजाक उड़ाते। धीरे-धीरे वह एकांतप्रिय होने लगी। घर में पाले गए जानवर उसके दिल के बेहद करीब होते गए। फिजूल की बातों से उसका ध्यान हटाने के लिए पिता ने उसे उसे चित्र बनाना सिखाया। समय बीतता रहा। फ्रीडा डॉक्टर बनना चाहती थी, इसलिए उसका दाखिला नेशनल प्रोप्रेटरी स्कूल में कराया गया। यह मैक्सिको का नामी-गिरामी स्कूल था। वहां उसकी मुलाकात एलेजेंड्रों गोमेज से हुई। जल्दी ही उनकी दोस्ती प्यार में तब्दील हो गई। 17 सितम्बर, 1925 को गोमेज के साथ घर लौटते समय उसकी बस एक ट्रॉली से टकरा गई। एक लोहे का सरिया उसके शरीर के अंदरूनी हिस्से को भेदता हुआ बाहर निकल गया। डॉक्टरों ने आशंका जताई की शायद वह मातृत्व सुख से वंचित रह जाएगी। कुछ समय अस्पताल में रहने के बाद वह घर वापस आ गई। पूरा जिस्म प्लास्टर से ढका था। ऐसे में गोमेज ने भी उसका साथ छोड़ दिया। फ्रीडा टूट गई थी। एक दिन पिता ने उसे ज़िंदगी का सबसे यादगार तोहफा दिया। कुछ ऑयल कलर्स, ब्रश और कैनवास देकर रंगों की दुनिया से उसका परिचय कराया। मां ने बढ़ई बुलाकर उसके पलंग को कुछ ऐसे तैयार कराया, ताकि वह लेटे-लेटे भी पेंटिंग कर सके। साथ ही पलंग के बीचों-बीच एक आईना भी लगाया, जिसमें वह अपनी छवि देखकर खुद से प्रेरणा ले सके। यहीं से फ्रीडा का आत्मचित्र बनाने का सफर शुरू हुआ।

फ्रीडा का समूचा जीवन एक फंतासी की मानिंद रहा। अपने छोटे से जीवनकाल में उसने नाउम्मीदी, उदासी, तन्हाई और बेवफाई जैसे कई बदरंग मंजर देखे। लेकिन बावजूद इसके उसने आशा और उम्मीद का दामन कभी नहीं छोड़ा। अंतिम सांस तक वह हंसती-खिलखिलाती रही और ज़िंदादिली के साथ दुनिया को अलविदा कहा।

पोलियो की गिरफ्त में

छह वर्ष की मासूम फ्रीडा एकाएक पोलियो की गिरफ्त में आ गई

मजाक

बच्चे फ्रीडा का खूब मजाक उड़ाते थे और अकेले में अपनी बेबसी पर वह रोती थी

अंतिम बार लिखा

मौत से पहले उसने अपनी डायरी में अंतिम बार लिखा-मुझे आशा है कि मेरा अंत सुखद होगा और मैं लौटकर कभी नहीं आऊंगी

फ्रीडा की कविता

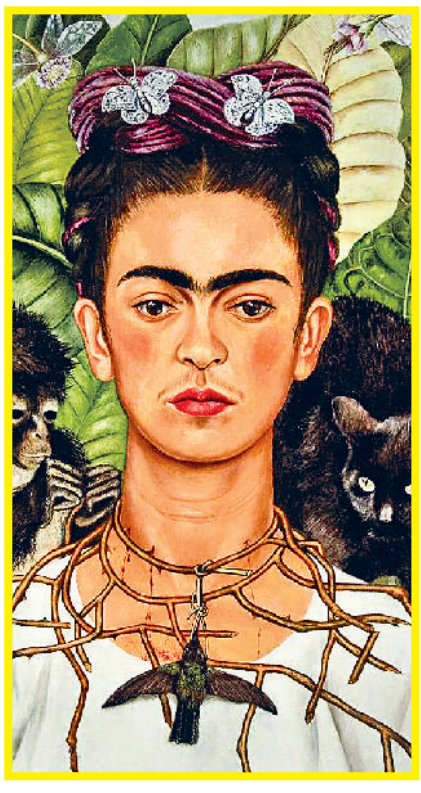

मेरा प्यार

मैं अपनी जिंदगी में तुम्हारी मौजूदगी कभी नहीं भूलूंगी
क्योंकि तुमने मुझे तब संभाला, जब मैं तबाह हो चुकी थी
तुमने मुझे फिर से संपूर्ण बनाया
नहीं तो, मैं इस छोटी-सी धरती पर इतनी शान-ओ-शौकत से
अपने आपको कहां खड़ा कर पाती
अब समय नहीं है और दूर कुछ भी नहीं है
सिर्फ सच्चाई है, जो हमेशा से थी
अब जो नजर आता है, वह है जड़ें
जो बिल्कुल साफ नजर आती हैं
वो जड़ें हैं उस पेड़ की,
जो अब बड़ा हो चुका है और फल देने लगा है
तुम्हारे फल खुशबू देते हैं,
तुम्हारे फल रंग देते हैं जो कि खुशी से उग रहे हैं
और वो खुशी है हवा की और खिलने की
तुम उस पेड़ से अपनी दया दृष्टि कभी मत हटाना
जिसके लिए तुम एक सूरज समान हो
वो पेड़, जिसने तुम्हारे बीज को संजोकर रखा है
और मेरे प्यार का नाम है दिएगो।

1926 में पहला आत्मचित्र बनाया

फ्रीडा के बनाए आत्मचित्र कला-जगत के श्रेष्ठतम आत्मचित्रों में से एक हैं। 1926 में उसने पहला आत्मचित्र बनाया। उसने अपने चित्रों में चमकीले रंगों और मैक्सिकन लोक कला को भी प्रमुखता से उभारा। उसके चित्रों में मिट्टी की तरह घुलकर भाव की बाढ़ के साथ एकात्म हो जाने की अद्भुत क्षमता थी। उस समय जब फ्रीडा के चारों ओर नाउम्मीदी, उदासी और तन्हाई पसरी हुई थी और खुशी-चहक की लौ धुंधलाती जा रही थी, तब रंगों ने उसे आसरा दिया। धीरे-धीरे वह स्वस्थ होने लगी। उसने नेशनल प्रोपेटरी स्कूल में चित्रकारी औरक्ले-मॉडलिंग कोर्स में दाखिला लिया। फोटोग्राफर टीना मोदोत्री के जरिये वह यंग कम्युनिस्ट लीग से जुड़ी। एक दिन पार्टी के दौरान उसकी मुलाकात विश्व के मशहूर म्यूरल कलाकार दिएगो रिवेरा से हुई। दिएगो ने उसे मैक्सिको की सबसे पुरानी और मशहूर कला पर काम करने के लिए प्रेरित किया। जल्द ही यह मुलाकात दोस्ती से प्यार और फिर शादी तक पहुंच गई। 21 अगस्त, 1929 को दोनों का विवाह हो गया। दिएगो के साथ वह कुर्नेवाका आ गई और वहां उसने कुछ चित्र बनाए। 1930 में साल की शुरुआत में वह दिएगो के साथ सैन फ्रांसिस्को गई। वहां फ्रीडा ने ' फ्रीडा एंड दिएगो रिवेरा डबल पोट्रेट बनाया। पहली बार लोगों ने उसकी इस पेंटिंग को सैन फ्रांसिस्को सोसायटी ऑफ वीमेन आर्ट की छठी वार्षिक प्रदर्शनी में देखा और काम की सराहना की। इस बीच कई बार उसका गर्भपात हुआ, जिससे वह टूट गई। उसने संतान न होने के दुख को अपने चित्रों में उतारा। इस बीच वह दिएगो के साथ फिलाडेल्फिया और डेट्रॉइट गई, लेकिन उसे मैक्सिको के अलावा कोई जगह रास न आई। दोनों के बीच झगड़े बढ़ने लगे। 1939 में दोनों तलाक लेकर अलग-अलग रहने लगे। एक बार फिर फ्रीडा को सैन फ्रांसिस्को गोल्डन गेट अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी के ललित कला पैलेस में अपनी पेंटिंग समकालीन मैक्सिकन कला को दर्शाने का अवसर मिला। । उसके चित्रों में स्त्री के अस्तित्व और अंतर्मन की दुनिया उभर रही थी। इन चित्रों में उसकी एकाग्रता, गहराई और दर्द की अभिव्यक्ति चकित कर देने वाली थी।

और एक बार फिर वक्त बदला

वक्त बदला और एक बार फिर दिएगो ने उसके सामने शादी का प्रस्ताव रखा। फ्रीडा और दिएगो 8 दिसम्बर, 1940 को फिर विवाह के बंधन में बंध गए। फ्रीडा की शोहरत दूर-दूर तक फैल चुकी थी। वह उन 25 बुद्धिजीवी कलाकारों में से एक थी, जिन्हें शिक्षा मंत्रालय द्वारा मैक्सिकन संस्कृति की संगोष्ठी के लिए चुना गया था। 1940 में मैक्सिको सिटी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय अति चर्चित चित्र प्रदर्शनी के लिए मशहूर चित्रकारों के साथ उसके चित्रों को रखा गया।

पुरस्कारों, समितियों की सदस्यता व फेलोशिप की बाढ़ सी आ गई थी। बड़ी-बड़ी चित्र प्रदर्शनियों में उसके चित्रों की मांग होने लगी। उसे आर्ट्स एंड साइंस के राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया। 1950 को फ्रीडा की रीढ़ की हड्डी में तकलीफ के कारण लंबे समय तक अस्पताल में रहना पड़ा। यहां वह दिएगो और बहन क्रिस्टीना के साथ खूब मस्ती करती। फिल्में देखती, चुटकुले सुनाती। कविताएं व डायरी लिखती। फ्रीडा के प्रशंसक लोला अल्वारेज ब्रावो ने उसके जीते जी एक बड़ी प्रदर्शनी लगाने का निश्चय किया। उस प्रदर्शनी को देखने सारा शहर उमड़ पड़ा था। फ्रीडा को एंबुलेंस में लाया गया।

यादों की रहगुज़र

- पूरे जीवन में फ्रीडा के तीस छोटे-बड़े ऑपरेशन हुए, लेकिन उसने जीने का हौसला कभी नहीं छोड़ा। फ्रीडा ने 200 पेंटिंग्स, ड्रॉइंग और स्कैच बनाए। इन में 143 पेंटिंग्स और 55 आत्मचित्र हैं।
- अस्पताल में डॉक्टरों की सख्त मनाही के बाद भी पेंटिंग बनाना जारी रखा। उसने रंगों की बजाय लिपस्टिक और आयोडीन का सहारा लिया।
- फ्रीडा ने पशु-पक्षियों के मूक संसार को अपने अपने कैनवास पर बड़ी ही खूबसूरती से जीवंत किया।
- फ्रीडा ने दोस्त से उपहार में मिली लाल डायरी को अपने सुख-दुख का साथी बनाया। इस डायरी पर जे.के. लिखा था।
- फ्रीडा के मृत शरीर को अवन में रखा गया तो उसके बाल जल रहे थे, लेकिन उसका चेहरा सूरजमुखी के फूल की मानिंद खिला हुआ था।

रागनी | डॉ. शील कुमार 'गंगा पुत्र'

पर्यावरण प्रदूषण

प्रदूषण नै सारे देश का, कर दिया भुण्डा हाल।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ, जै होणा सै खुशहाल ।।

छोट्टे-बड़डे सब शहरां मैं,कारखान्यां की लाग्यी लैन।
इनमें माणस पैसण लाग रे,फेर भी मन मैं कोन्या चैन ।
पशु-पक्षी भी मरते गैल,बैच्छगे सारे जाल।।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ,........

स्याही तै भी काल्आ धुमा,छोड़ैं सैं ये मोटर कार।
शोर-शराबा खूब करैं सैं,कारखाने और मोटर कार ।
जंगल कटगे ना बसाती पार[illegible]णा होया बेहाल।।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ,........

वायु मंडल होया प्रदूषित, जल भी कोन्या साफ रह्या।
खाण पीण की सब चीजआं मैं,देखो कितना जहर होया।
धरती मां पर बोझ होया, इब्ब करणा होगा ध्यान।।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ,........

इन्ह शहरां तैं दूर ले चालो, मैं गाम देखणा चाहूं सूं ।
नदी,जलाशय और झरण्यां की, जलधार देखना चाहूं सूं ।
मैं शील नै समझाऊं सूं ,पर्यावरण का करल्यो ध्यान।।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ,........

प्रदूषण नै सारे देश का, कर दिया भुण्डा हाल।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ, जै होणा सै खुशहाल।।

रागनी | सत्यवीर नाहड़िया

राग हुवैं छै-तीस रागनी, कोये छत्तीस गिणावैं।
दिखे राग की राणी हों ये,रै न्यूँ बिदवान बतावैं।।

कळी अर तोड़ हुवैं सैं, इसकी धड़कण प्यारी।
कई तरां की कळी बतायी,
हो ताल-तरज न्यूँ न्यारी।
गावण की न्यारी लयकारी,ये तिन्नूँ खास बणावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

हरियाणा अर चोगरदे नै,ये सदा गूँजती आयी।
माँग साँग की भोत कदे थी,आ[illegible]टकड़ छायी।
वही रागणी पूरी पायी,जो कसौ[illegible] म्हं जावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

गाम-गाम म्हं मिलैं गवैये,साज बजावैं न्यारे।
ढोलक-पेट्टी घड़वा-बैंजू,ताल मिलावैं सारे।
कथ कै गाग्ये बड्डे म्हारे,इब कौण उसी रच पावैं?
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

हरियाणा के सांगी-गायक,खूब दूर लग छाये।
कह 'नाहड़िया' कलमतोड़ वै, न्यारे इतिहास बणाये।
गावण के घर दूर बताये,पर रोज भतेरे गावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

बातचीत | **प्रोसेसिंग तकनीकी से ताजा फल विपणन, सूखाकर खेलड़ा बनाना, बीज, जैम व कैच-अप जैसे घरेलू उत्पादों को बढ़ावा देंगे चचेरे किसान भाई**

ऑर्गेनिक फ्रूट ककड़ी व मतीरी से लाखों का मुनाफा कमाया

लागत

कम लागत में प्राकृतिक फूट की खेती से मालामाल

बचाव

कीड़ों से बचाने के लिए नीम की फली से तेल बनाते हैं

उत्पाद

ककड़ी के गूदे से कैच-अप, जैम कर सकते हैं तैयार

किसान | दलबीर सिंह भूना

जांडलीखुर्द गांव के दो किसानों ने मिलकर तीन साल पहले पांच एकड़ रेतीली बैरानी खेत में ऑर्गेनिक फूट ककड़ी व राजस्थानी मतीरी की खेती शुरू की थी, जिन्होंने कम लागत में प्राकृतिक फूट ककड़ी व राजस्थानी मतीरी की हजारों क्विंटल फसल बेचकर मालामाल हो गए हैं। वजीर सिंह पूनिया व नवीन पूनिया ने बताया कि चार वर्ष पहले पानी के अभाव में परंपरागत खेती पर्याप्त नहीं हो पाती थी। अब ऑर्गेनिक फूट ककड़ी व राजस्थानी मतीरी की खेती से प्रति एकड़ 70 हजार से लेकर एक लाख के बीच में बचत हो रही है। क्योंकि बिजाई के बाद खर्चा नहीं है और ज्यादा पानी की जरूरत नहीं होती।

ऐसे करते हैं रोगों का बचाव

किसान वजीर सिंह पूनिया ने बताया कि फूट ककड़ी को जंगली छिपकली, गिलहरी व पक्षियों तथा नील गायों से नुकसान पहुंचने का खतरा रहता है। ऐसे में ज़रूरी है कि बुआई के बाद और फल आने के समय फसल की रखवाली करें। पौधों में लाल व ऐपीलेकना भंग, सफेद व फल मक्खी और रस चूसने वाले कीटों के प्रकोप की आशंका बनी रहती है। इनसे बचाव के लिए खेत से ऑर्गेनिक सब्जियों की खेती शुरू की थी। फसल को कीड़ों से बचाने के लिए नीम की फली से तेल बनाकर उसका उपयोग में लिया और बाद में गोमूत्र में पानी मिलाकर उसका छिड़काव से किया। नीम पत्ती चूर्ण को 10 किलोग्राम राख के मिश्रण को टाट की थैली में भरकर सुबह के समय पौधों पर भुरकाव करें। इस खेती में खाद के रूप में गोबर की सड़ी हुई खाद और फसल के सड़े हुए अवशेष डालकर काम लिया गया। दोनों किसानों ने फूट ककड़ी व राजस्थानी मतीरी की ऑर्गेनिक खेती में शामिल कर लिया है।

कई उत्पाद हो सकते तैयार

वजीर सिंह ने बताया कि फूट ककड़ी के पके फलों को ज्यादा दिनों तक ताजा सुरक्षित नहीं रखा जा सकता। इसलिए तुड़ाई के बाद लंबे समय तक उपयोग में लाने के लिए इनकी प्रोसेसिंग किसान कर सकते हैं। फूट ककड़ी के फलों के गूदे से कैच-अप, जैम एवं निर्जलीकरण (सुखाना) से खेलड़ा तथा बीजों से गिरी तैयार की जा सकती है। इस तरह से घरेलू स्तर पर मूल्य संवर्धन से स्वरोजगार और लाभ प्राप्त किया जा सकता है। फूट ककड़ी उत्पादन और प्रोसेसिंग से ताजा फल विपणन, खेलड़ा बनाना, बीज, जैम व कैच-अप से लाखों की आय प्राप्त की जा सकती है।

विशेषज्ञ की राय

फूट ककड़ी गर्म और शुष्क मौसम की फसल है, इसलिए रेतीले बैरानी जमीन का वातावरण इसकी खेती के लिए उपयुक्त है। यह फसल 35-40 डिग्री तापमान में भी उग जाती है। बीजों के अंकुरण के लिए 20-22 डिग्री सेल्सियस और पौधों व फलों के विकास के लिए 32-38 डिग्री तापमान की ज़रूरत होती है। इसकी खेती के लिए रेतीली व बलुई-दोमट मिट्टी उपयुक्त हैं। 6.5-8.5 तक पी.एच. मान वाली कम उपचाऊ मिट्टी में भी फूट ककड़ी की खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है।

-डॉक्टर श्रवण कुमार
जिला बागवानी अधिकारी, फतेहाबाद

देहात से कम होता जा रहा है देसी लोक पेयों का चलन

◆ स्वास्थ्यवर्धक पेय छाछ या लस्सी विलुप्ति की ओर ◆ बोतलबंद पेय पदार्थों ने देसी पेयों को गुमशुदगी के दौर में पहुंचाया ◆ छाछ को बिना पैसे की दवाई कहा जाता

रहन सहन | डॉ दयानंद कादयान

आज भौतिकता और बाजारवाद में हरियाणा के देहात से प्राकृतिक खेती और सेहतमंद भोजन को कम किया है। आधुनिकता व रेडिमेड संस्कृति ने गांव देहात के देसी पेयों छाछ, दही, शिकंजी व राबड़ी से भी आम जनमानस को दूर कर दिया है। आधुनिक बोतलबंद पेय पदार्थों के हमले ने देसी पेयों को गुमशुदगी के दौर में पहुंचा दिया है। देहात में सर्वसुलभ और स्वास्थ्यवर्धक पेय छाछ या लस्सी या सीत भी अब विलुप्ति की ओर जा रहा है। अब उनके स्थान पर कोका-कोला, ड्यू व कैंपा आदि ने ले लिया है, जो सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक है। रेडिमेड पेयों ने सीत, रबड़ी सत्तू व शिकंजी को गौण स्थानों पर पंहुचा दिया है।

बेशक ये देसी पर पदार्थ गौण अवस्था में पहुंच गए हों। पुरातन काल से हरियाणा के गांव देहात में परंपरागत पेय पीने की रिवाज रही है। हमारे बड़े-बड़ेरे जानते थे कि गर्मियों में हमारे शरीर को ठंडाई की बड़ी जरूरत रहती है, क्योंकि ज्येष्ठ, आषाढ़ की गर्मी से निकलने वाले पसीने से मनुष्य का शारीरिक, मानसिक संतुलन गड़बड़ा जाता है। पसीने के माध्यम से शरीर से लवण और विटामिन निकलते रहते हैं। शरीर में जलापूर्ति के लिए अच्छे पेय पदार्थों की जरूरत पड़ती रहती है। पारंपरिक पेय शरीर में शारीरिक, मानसिक तृप्ति भी करते हैं। वहीं गर्मी के प्रकोप से होने वाले रोगों से हमारे शरीर को बचाए रखते हैं। हरियाणा प्रदेश के घर-घर में गाय भैंस आदि दुधारू पशु बहुतायत में पाए जाते थे। हमारे खेती-बाड़ी

का आधार पशुपालन रहा है। इन दुधारू पशुओं के दूध से छाछ व दही आदि तैयार किए जाते थे। छाछ व दही के लिए कलेवारी सी दूध को कढावणी में डालकर हारे में गर्म होने के लिए रखा जाता था। शाम को दूध की मलाई में गाढ़ा कढ़ा दूध बिलौनी में डाला जाता था। इसके बाद शाम को दूध भी कढावणी में मिलाकर के उसमें जामन मिलाया जाता था। जामन में लैक्टोबैसिलस जीवाणु होते थे जो दूध को दही या छाछ में बदल देते है। ये सारी की सारी किण्वन क्रिया विज्ञान पर आधारित होती थी। तैयार दूध को घर की बूढ़ी बड़ेरी बड़े जतन से रई डालकर मुंह अंधेरे मथती या बिलौती थी। गांव देहात में सुरमय स्वर लहरी गूंज उठती थी। इसके साथ-साथ लोक लकड़ी भी गाई जाती थी:- ***गजर-मजर दूध बिलोवै, गुजरी का बच्चा रोवै। रौवै सै तो रोवन दे, मैंने दूध बिलोवण दे।***

विलोए हुए दूध से घी निकाला जाता था,जिसे नूणी घी कहा जाता था। इसके अलावा बिलौनी में जो तरल पदार्थ शेष रह जाता, उसे छाछ या लस्सी या सीत कहा जाता था।ये लस्सी लूओ वाली गर्मी में ठंडक का आनंद देती थी। देहात में एक कहावत भी प्रचलित है कि काणी दादी शीतघालिये, लखण तो ईसा करै सै आक तेरै दूध घाल दूं।फिर भी छाछ हरियाणवी लोकोक्तियों,कहावतों, जकड़ियों में विशेष रूप से गाया जाता है। छाछ के फायदे अनगिनत है।छकछ हमारे देहाती भोजन का मूलाधार है।लस्सी या छाछ देहात में केवल पेय नहीं है, अपितु बहुत सारी सब्जियां चटनी, रायता,कढी व भुजी छाछ के दम पर बनती है। गांव में यह कहावत भी प्रचलित है कि₹ पतली सी छाछ, खाटे से भी जाए₹यानी खाटा की तरकारी व राबड़ी लस्सी से ही बनती है।इसके अलावा कोई भी छाछ से ही तैयार होती है।साथ में सभी अमीर गरीब का सांझा होता है। यह एक तरह का सांझला या समाजवादी पेय पदार्थ होता है, जो गांव में एक दूसरे को हर रोज बांटा जाता रहा है। हाली पाली मुंह अंधेरे ही अपने खेतों व जंगल को निकल चुके होते हैं।घर की महिलाएं छाछ रोटी लेकर खेतो में छकियारी बनकर पंहुचती हैं। छाछ राबड़ी और रोटी जंगल में मंगल कर देती हैं। देहात में यह ब्रेकफास्ट नही अपितु इसे काम छोड़ या कल्लेवारी का भोजन कहा जाता था।

देहात में छाछ को बिना पैसे की दवाई कहा जाता है क्योंकि शरीर में प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि करके शरीर के स्वाभाविक विकास में सहायता देती है। यही कारण है की देहाती लोग छाछ को अमृत्तुल्य मान कर भोजन के साथ इसका इस्तेमाल करते हैं। छाछ निःशुल्क खट्टी मीठी औषधि का कार्य भी करती है। देहाती लोगों का मानना है कि छाछ के नियमित सेवन से राहचुंधा रोग नहीं होता। इसमें विटामिन ए की मात्रा पर्याप्त बताई जाती है, जो आंखों की रोशनी बढ़ाने में सहायक होती है। छाछ शरीर में बनने वाले यूरिक एसिड का दमन करती है इससे कफ, वात पित्त रोगों का नाश होता है। आज रेडिमेड संस्कृति ने हमारे पुरातन लोकपेयों को पर्दे के पीछे धकेल दिया है तथा आधुनिक बोतल बंद शीतल प्रयोग की बाढ़ आ गई । इन बोतलबंद पेय पदार्थ से की जाती है ,जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। हम आधुनिक पेयों को तो पसंद करते हैं लेकिन दही से बने पेयों की उपेक्षा कर रहे हैं। आओ हम अपने परंपरागत लोक पेयो सीत, रबड़ी, सत्तू व शिकंजी को दोबारा प्रचलन में लाएं ताकि हमारे सेहत ज्यों की त्यों बनी रहे।

छाछ-राबड़ी का चोली दामन का साथ

देहात में छाछ -राबड़ी का चोली दामन का साथ रहा है। वैसे भी इस प्रदेश के देहात में रावड़ी को केवल ग्रीष्म ऋतु का अमृत माना जाता है। देहात में मुख्तया जौ तथा बाजरे के आटे की राबड़ी बनाई जाती है,जिसे गर्मी का अमृत मान जाता है। राबड़ी का सेवन अक्सर प्रात: काल में ही किया जाता है। जौ से बनाई जाने वाले रबड़ी को देहात में ग्हार की रबड़ी का जाता है। जो बाजरे के आटे से बनी राबड़ी से अधिक शीतल और सुपाच्य होती है। प्रात राबड़ी के सेवन से वायु प्रकोप में कमी व संतुष्टि आ जाती है। अधिक अम्ल और पाच्य रसों को अवशोषित करती हुई, इसका आसानी से निष्कासन होता है।

खबर संक्षेप

रोहतक। शिविर में पूर्व सरपंच संदीप को सम्मानित करते ग्रामीण।

शिविर में 77 ग्रामीणों ने किया रक्तदान

रोहतक। गांव बैंसी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, कैंप बैंसी गांव की पंजाबी धर्मशाला में लगवाया गया। जिसमें 77 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। पूर्व सरपंच संदीप मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर डॉक्टर योगेश नांदल, पूर्ण खुराना, राकेश कंबोज प्रधान, मनजीत, नीटू, गगन, भारत, अतुल, चिंटू आदि मौजूद रहे।

आरएसएस कार्यालय में किया पौधरोपण

रोहतक। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ कार्यालय में भाजपा के वनवासी कल्याण आश्रम प्रांत उपाध्यक्ष रमेश गोयल के सानिध्य में स्वयं सेवकों के साथ पौधारोपण किया गया। इस मौके पर जिला पर्यावरण प्रमुख राजेश सुनारिया ने कहा कि सभी को एक बार जरूर पौधारोपण करना चाहिए। इससे पर्यावरण को बचाया जा सकता है। इस दौरान शंकर गर्ग, सत्यवान गुलिया, सतीश शर्मा आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को शिक्षा का महत्व बताया

रोहतक। माता धनपति देवी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा बाल संस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया कि मुख्य अतिथि सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ बत्तरा व विशिष्ट अतिथि समाज सेवी प्रवीन जिंदल रहे। उन्होंने बच्चों को शिक्षा का महत्व बताया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर ट्रस्ट के चेयरमैन हरिप्रकाश गुप्ता, पवन गोयल, राजीव जैन, प्रवीन जिंदल, हरिप्रकाश, कविता जांगड़ा, नरेश जैन, अजेश गुप्ता, आदि मौजूद रहे।

जलभराव दूर करने के लिए रोहतक को अनेक प्रोजेक्ट दिए : डॉ. बनवारी लाल

14 करोड़ 90 लाख की लागत से बरसाती पानी डिस्पोजल पंपिंग हाउस प्रोजेक्ट शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

शहर को जलभराव से मुक्ति दिलाने के लिए 14 करोड़ 90 लाख की लागत से हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में बनाया गया बरसाती पानी का डिस्पोजल पंपिंग हाउस रविवार को शुरू किया गया। जिसका उद्घाटन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री डॉ बनवारी लाल ने किया।

उन्होंने उपस्थितजन को सम्बोधित करते हुए कहा कि

- छह कॉलोनियों के लोगों को मिलेगा फायदा : डॉ. बनवारी

हरियाणा सरकार की नियत साफ है। सरकार अंत्योदय पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जल भराव रोहतक की बड़ी समस्या रही है।

इससे पहले सरकार ने ओल्ड आईडीसी के जल घर के निर्माण की इजाजत देने व राहड़ रोड तालाब पर बरसाती पानी निकासी के प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है। पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर ने जलभराव की समस्या दूर करने के लिए कई मांगे रखी थी, जिन्हें स्वीकृत करके पूरा किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को आदेश दिए कि इस प्रोजेक्ट के कारण जो सड़क डैमेज हुई है उसका एस्टीमेट बनाकर तुरंत बनाने का काम करें। डॉ. बनवारी लाल ने इस प्रोजेक्ट के तहत पुराना हाउसिंग बोर्ड के पहले से बने बरसाती पानी के डिस्पोजल का पुनर्निर्माण करने, कन्हेली गांव तक लोहे की पाइप लाइन बिछाने, ईएसआई अस्पताल से पुराना हाउसिंग बोर्ड डिस्पोजल तक बरसाती सीवर की लाइन बिछाने, व मेन बरसाती पानी डिस्पोजल, अप्पू घर डिस्पोजल, हरिजन बस्ती डिस्पोजल, द्वितीय जल घर बरसाती पानी डिस्पोजल, कन्हेली गांव डिस्पोजल, कन्हेली मोड डिस्पोजल, पटेल नगर डिस्पोजल की पंपिंग मशीन बदलने व दो बरसाती नालों को कंक्रीट से पक्का करने के कार्य का उद्घाटन किया। इस प्रोजेक्ट से एकता कॉलोनी, प्रीत विहार, अंबेड़कर नगर, आजाद नगर, हाउसिंग बोर्ड व कमला नगर के हजारों निवासियों को लाभ मिलेगा। काफी समय से यहां समस्या बनी हुई थी।

रोहतक। निरीक्षण करते हुए स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. बनवारी लाल व पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर। फोटो : हरिभूमि न्यूज

रोहतक। बरसाती पानी का डिस्पोजल पंपिंग हाउस का उद्घाटन करते हुए स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. बनवारी लाल। फोटो : हरिभूमि न्यूज

कांग्रेस ने अंबेड़कर का अपमान किया

मंत्री डॉ बनवारी लाल ने कहा कि कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में झूठ बोलकर वोट हासिल किए। कांग्रेस ने डॉ. भीमराव अंबेडकर को कभी मान-सम्मान नहीं दिया। हमेशा डॉ. अंबेडकर का अपमान किया है। कांग्रेस ने डॉ. अंबेडकर को हराने के लिए उनके खिलाफ चुनाव में प्रत्याशी उतारने का काम किया था। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के सपनों को पूरा करने का काम किया है। भाजपा ने डॉ. भीमराव अंबेडकर को भारत रत्न देने का काम किया। प्रधानमंत्री मोदी ने उनके सभी तीर्थ स्थलों का सौंदर्यीकरण करने और संविधान दिवस के रूप में उन्हें याद करने का फैसला लिया।

जनसमस्या के निराकरण पर फोकस : ग्रोवर

पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर ने कहा कि 2014 में जब राज्य में भाजपा की सरकार आई तो जल भराव की सबसे बड़ी समस्या थी। अनेक कॉलोनियां जलमग्न रहती थी। सरकार ने अलग-अलग एरिया में अनेक बूस्टर मंजूर किए। सरकार का फोकस लोगों की एक-एक समस्या के निराकरण पर है। झज्जर रोड से लेकर झज्जर चुंगी तक, रेलवे रोड, राहड़ रोड तालाब, सेक्टर एरिया और हाउसिंग बोर्ड जैसे क्षेत्रों में बरसाती पानी की समस्या के समाधान के प्रोजेक्ट पूरे करने का काम किया। भविष्य में पानी निकासी के प्रोजेक्ट की जरुरत पड़ी तो, उन्हें भी सरकार से मंजूर करवाया जाएगा। हाउसिंग बोर्ड के लोगों ने जब उनसे इस समस्या के समाधान की मांग रखी तो चंडीगढ़ में अधिकारियों से मिलकर इसका हल करवाने का काम किया।

कांग्रेस ने पैसे देने की बात कर गुमराह किया

डॉ. बनवारी लाल ने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव में महिलाओं के फार्म भरवा कर उनके खाते में 8500 हर माह देने व एक लाख रुपये देने की बात कही थी, जहां कांग्रेस की सरकार है वहीं कांग्रेस को लोगों के खाते में यह धनराशि डालने का काम करना चाहिए। उन्होंने लोगों को आगाह किया कि कांग्रेस से सावधान रहें।

अक्टूबर में हरियाणा में विधानसभा चुनाव है और कांग्रेस के नेता झूठ बोलकर वोट लेने का काम करेंगे, लेकिन इस बार उनकी झूठ की राजनीति नहीं चलेगी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल, सोमनाथ शर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष रमेश भाटिया, भाजपा के वरिष्ठ नेता सूरजमल किलोई, कोपरेटिव बैंक के चेयरमैन हरिश कौशिक, युवा मोर्चा अध्यक्ष दीपू नागपाल, सुमिता भाटिया जांगड़ा, ईश्वर सिंघल, कुलविंद्र सिक्का, जेएल खुराना, साहिल मग्गू सहित अधिकारियों में जनस्वास्थ्य विभाग के एक्सईएन तरूण गर्ग, लोक निर्माण विभाग के एक्सईएन नरेंद्र कुमार, एसडीओ विनीत रोहिल्ला व राजेश रोहिल्ला सहित अन्य संबंधित अधिकारी व पार्टी के पदाधिकारी मौजूद रहे।

आप नेता रामरतन हुए कांग्रेस पार्टी में शामिल

रोहतक। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा।

रोहतक। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता राम रतन हुड्डा (पोलंगी) रविवार को साथियों सहित दीपेंद्र सिंह हुड्डा की अगुवाई में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भूपेंद्र सिंह हुड्डा और दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने अपने कार्यकाल में प्रदेश को खेल, कृषि व रोजगार की दृष्टि से अव्वल बनाया, उससे स्पष्ट है कि प्रदेश का विकास भी यही कर सकते हैं। एडवोकेट रमेश खुराना ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ही प्रदेश के कृषि, व्यापार व भाईचारे को मजबूती देने वाली पार्टी है। इस अवसर पर राम रतन हुड्डा ने कांग्रेस पार्टी की नीतियों का प्रचार करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर उनके साथ मुख्य रूप से दयानंद देशवाल प्रधान जाटसभा, राजवीर सहरावत महासचिव (मोर खेडी), सुबे सिंह ढिल्लों, सहजराम बल्हारा गांव बहु अकबरपुर, ईश्वर खोखर गांव शामड़ी आदि मौजूद रहे।

भाजपा सत्ता खिसकती देख कर रही घोषणाएं

रोहतक। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और शौरी क्लॉथ मार्केट के प्रधान गुलशन ईशपुनियानी ने कहा कि भाजपा को अब हर वर्ग की चिंता सताने लगी है। विधानसभा चुनाव में अपनी हार होते देख मुख्यमंत्री नायब सैनी घोषणाओं पर घोषणाएं कर रहे हैं। सत्ता खिसकते देख भाजपा सरकार को अब सरपंचों की याद आई है। जब सरपंच अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे थे तो उन पर लाठियां बरसाई जा रही थी। भाजपा ने सत्ता के अहंकार में किसी भी वर्ग को महत्व नहीं दिया और सरपंचों, पार्षदों को शक्तिहीन रखा।लोकसभा चुनाव में जनता ने भाजपा को आईना दिखाया। अब भाजपा सरपंचों को पावर देने की बात कह रही है, लेकिन भाजपा का ये खेल अब नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि अब आने वाला समय कांग्रेस का है।

रोहतक स्कॉलर्स रोटरी क्लब ने लगाया रक्तदान शिविर

- गर्भाशय ग्रीवा कैंसर टीकाकरण और थैलेसीमिया जांच शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

रोहतक स्कॉलर्स रोटरी क्लब ने स्कॉलर्स रोज़री जूनियर विंग में रक्तदान, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर टीकाकरण और थैलेसीमिया जांच शिविर का आयोजन किया। इस दौरान 806 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। इसके अलावा गर्भाशय ग्रीवा कैंसर टीकाकरण अभियान के तहत 500 व्यक्तियों को गर्भाशय ग्रीवा कैंसर का टीका लगाया गया, जो इस संभावित घातक बीमारी को रोकने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रयास महिलाओं के स्वास्थ्य और कैंसर की रोकथाम के प्रति क्लब की निरंतर प्रतिबद्धता का हिस्सा है। वहीं थैलेसीमिया जांच शिविर में 167 व्यक्तियों की थैलेसीमिया, एक अनुवांशिक रक्त विकार, की जांच की गई। प्रारंभिक पहचान इस स्थिति को प्रबंधित करने और प्रभावित लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए महत्वपूर्ण है। मुख्य अतिथि सुजाता त्रिखा एवं जिला गवर्नर रॉटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट महेश त्रिखा ने रोहतक स्कॉलर्स रोटरी क्लब के कार्यों की सराहना की।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर मोनिका गुगनानी क्लब अध्यक्ष, प्रीति गुगनानी परियोजना संयोजक, नीलम कपूर क्लब सचिव, डॉ. रवि गुगनानी, दीपक प्रसाद, प्रेम पसरीचा रोटरी ब्लड सेंटर फरीदाबाद, रुपक जैन रोटरी ब्लड सेंटर दिल्ली, डॉ. ताशी नरूला नरूला डायग्नोस्टिक्स, अजय नारायण, वंदना भल्ला रोटरी कैंसर फाउंडेशन, संजीव जवाहर, संजीव वाधवा, डॉ. आरके चौधरी, डॉ. राकेश जैन, डॉ. अपूर्व नरूला, हनीश महेन्द्रू, विनोद जैन, लोकेश जैन, राजेश कपूर, भुवनेश टूटेजा, संदीप गर्ग, सुशील गुप्ता, इनर व्हील क्लब ऑफ़ रोहतक से सुषमा चुग, विजय बल्हारा, अंजू वाधवा, पूनम गुप्ता, मंजु बिंदल आदि उपस्थित रहे।

पौधरोपण पर्यावरण संरक्षण का विकल्प : सतीश नांदल

सांपला। पौधरोपण करते हुए भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल।

सांपला। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल ने रविवार को एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत गांव पौधरोपण किया। इस अभियान में सरपंचों ने भी साथ दिया। प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए पौधा रोपण ही एक विकल्प है। नांदल ने करीब एक दर्जन पौधे लगाए गए। उन्होंने कहा कि पौधे पर्यावरण का संतुलन बनाने में सहायक होते हैं। उन्होंने कहा कि पौधे लगाना ही नहीं बल्कि उनका पोषण उससे अधिक जरूरी है। इस मौके पर सरपंच सुखबीर, राकेश कुमार, जितेंद्र, भूपेंद्र, राकेश कुमार, रामानंद, प्रेमदत्त, अमित उपस्थित रहे। कसरेंटी गांव में सरपंच नरेश कुमार व पूर्व प्राचार्य बलदेव ने पौधारोपण किया। वहीं परशुराम भवन में कार्यक्रम के दौरान जितेंद्र शर्मा की तरफ से पौधे वितरित किए।

हरि नगर में एक साल से सीवर-नाले जाम

महम। वार्ड एक में स्थित हरि नगर कॉलोनी में पिछले एक साल से सीवर और नाले गंदगी से अटे पड़े हैं। पार्षद मोनू जांगड़ा ने बताया कि हरि नगर के नालों की सफाई की मांग को लेकर वे नगर पालिका अधिकारियों और नपा प्रधान को शिकायत कर चुके हैं। नाले और सीवर जाम हो जाने की वजह से कॉलोनी से गंदे व बरसाती पानी की निकासी नहीं हो पा रही। जिस वजह से गंदा पानी कॉलोनी में ही जमा रहता है। कॉलोनी में गंदगी जमा हो जाने से वार्ड में बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है। यदि शीघ्र ही हरि नगर कॉलोनी के नालों और सीवर लाइन की सफाई नहीं की गई तो घरों में बरसाती पानी घुस जाएगा। जांगड़ा ने उपायुक्त अजय कुमार से हरि नगर के नालों व सीवर लाइन की सफाई की मांग की है।

जयहिन्द ने किया राज्यसभा का चुनाव लड़ने का ऐलान

रोहतक। पत्रकारों से बातचीत करते हुए जयहिंद सेना प्रमुख नवीन जयहिंद।

रोहतक। जयहिंद सेना प्रमुख नवीन जयहिंद ने रविवार को जयहिंद सेना के कमांडरो के साथ मीटिंग के दौरान सभी की सहमति से प्रदेश में होने वाले राज्यसभा का चुनाव लड़ने का ऐलान किया। साथ ही जयहिन्द ने विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा व दुष्यंत चौटाला, अभय चौटाला और सभी निर्दलीय विधायकों से समर्थन की उम्मीद भी जताई। जयहिंद ने कहा कि हरियाणा में विपक्ष को उम्मीदवार नहीं मिल रहा है। बीजेपी के खिलाफ हमने साढ़े 9 साल लड़ाई लड़ी जिसका फायदा विपक्ष को हुआ है। लोकसभा चुनाव का भी जिक्र करते हुए कहा कि सभी पार्टियों के उम्मीदवार मेरे पास वोट मांगने आए, अब हम सभी के पास अपने लिए वोट की अपील करने जाएंगे। जयहिंद ने कहा कि वे ईडी, सीडी या सीबीआई से नहीं डरते, तंबू में रहते हैं।

श्रद्धापूर्वक मनाए जाएंगे गुप्त नवरात्र

- संकट मोचन मंदिर में 9 दिनों तक होगा दुर्गा स्तुति पाठ

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में गुप्त नवरात्र हर्षोल्लास से मनाए जा रहे हैं। 9 दिन तक शाम 4 से 6 बजे दुर्गा स्तुति पाठ का आयोजन किया जाएगा। गुप्त नरवरात्रे के 9वें दिन मंदिर में हवन, कन्या पूजन और भंडारे का आयोजन होगा। मंदिर में निरंतर मां की अखंड ज्योति जलेगी। साध्वी मानेश्वरी देवी ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं अनुसार मां दुर्गा की स्तुति पाठ निरंतर करने वालों पर मां दुर्गा का सदैव आशीर्वाद रहता है और उसके सारे कष्ट दूर होते हैं। साथ ही साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि हिन्दु पंचांग के अनुसार, वर्ष में चार बार नवरात्रि आते हैं। माघ, चैत्र, आषाढ़ और अश्विन। इनमें से माघ और आषाढ़ में आने वाले नवरात्र को गुप्त नवरात्रि कहा जाता है। गुप्त नवरात्र में दस महाविद्याओं की पूजा होती है। उन्होंने कहा कि माघ माह की गुप्त नवरात्रि का खास महत्व रहता है। यह साधना, दान, पुण्य और पूजा का माह है। गुप्त नवरात्रि में काली, तारा, त्रिपुरसुंदरी, भुवनेश्वरी, छिन्नमस्ता, त्रिपुरभैरवी, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी और कमला इन दस महाविद्याओं की पूजा होती है, जिनका संबंध अलग अलग देवियों से हैं।

रोहतक। दुर्गा स्तुति पाठ करते साध्वी मानेश्वरी देवी व भक्तजन।

नए कानूनों पर बैठक में चर्चा, हर शनिवार को वर्क-सस्पेंड रहेगा

अरविंद बने ऑल हरियाणा बार एसोसिएशन के प्रधान

- हरियाणा के सभी जिलों की बार एसोसिएशन के प्रधान की मीटिंग में लिया फैसला

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

जिला बार एसोसिएशन के चौ रणबीर सिंह हुड्डा मैमोरियल हाल में रविवार को हरियाणा के सभी जिला बार एसोसिएशन के प्रधानों की मीटिंग हुई।

इसमें सर्वसम्मति से रोहतक बार एसोसिएशन के प्रधान अरविन्द श्योराण को ऑल हरियाणा बार एसोसिएशन का अध्यक्ष चुना गया। इसका अनुमोदन भिवानी बार के प्रधान सत्यजीत पिलानियों ने किया व इसके बाद इसका समर्थन सभी बार प्रधानों ने किया। इनके अलावा छह सदस्य कार्यकारिणी भी नियुक्त की गई। जिनमें नारनौल प्रधान मन्जीत यादव, पानीपत प्रधान अमित कादयान, गुरुग्राम प्रधान अमरजीत यादव, फतेहबाद के प्रधान प्रदीप बेनीवाल, फतेहबाद सचिव कमलेश वशिष्ठ, सिरसा प्रधान आदित्य राठौर शामिल किए गए।

मीटिंग में मुख्य रुप से हाल ही में लागू किए गए कानूनों के बारे में चर्चा हुई। इसके साथ-साथ हाईकोर्ट के प्रधान विकास मलिक और सभी बार में एक समान मूल्य के वकालतनामें के बारे में भी चर्चा की गई।

बार काऊंसिल पंजाव एवं हरियाणा के द्वारा जो दस्तावेजों की जांच की जा रही है उसके बारे में भी सभी ने अपने विचार रखे। एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट को लागू करवाने, वकीलों का सामूहिक बीमा करवाने के लिए विचार विमर्श हुआ। पांच वर्किंग-डे को सर्वसम्मति से सभी बार प्रधानों ने पास कर दिया।

अब हर हर शनिवार को वर्क-सस्पेंड रहेगा। हरियाणा बार एसोसिएशन के चुने गए अध्यक्ष अरविन्द श्योराण ने कहा कि वह अपना कार्य पूरे निष्ठा व ईमानदारी से करेंगे और सभी जिला बार एसोसिएशन के प्रधानों और वकीलों को साथ लेकर चलेंगे।

रोहतक। बैठक में मौजूद जिलों की बार एसोसिएशन के प्रधान एवं अन्य सदस्य व सम्बोधित करते प्रधान अरविंद श्योराण।

ये रहे मौजूद

मीटिंग में मुख्य रुप से भिवानी के प्रधान सत्यजीत पिलानिया, जीन्द के प्रधान राकेश मलिक, दादरी के नसीब राणा, पानीपत के अमित कादयान, सोनीपत के प्रधान अमित ढुल, झज्जर के प्रधान दीपक गोयल, फिरोजपुर के प्रधान अल्ताफ हुसैन, रेवाड़ी के प्रधान विश्वामित्र, हिसार के प्रधान विनय विश्नोई, सिरसा के प्रधान आदित्य राठौर, यमुना नगर के प्रधान अरुण ढांडा, महेन्द्रगढ़ के प्रधान राजीव खोस्या, गुरुग्राम के प्रधान अमरजीत यादव शामिल रहे।

दादा बूढ़ा मंदिर पर शीश नवाया

बहादुरगढ़। भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष शेखर यादव ने रविवार को गांव आसौदा में दादा बूढ़ा मंदिर में आयोजित विशाल देसी घी के भंडारे में शिरकत की। उन्होंने दादा बूढ़ा की पूजा-अर्चना कर हलका वासियों के जीवन में सुख-समृद्धि की कामना की। आयोजकों ने शेखर यादव को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
BAMS 2
RMO 2
COMPUTER OPERATOR 2
CHEMIST SHOP STAFF 2
PHARMACY BILLING STAFF 2
नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

मलिक मनोरोग चिकित्सा केन्द्र
▲ मन उदास रहना (डिप्रेशन),
▲ चिन्ता करना, नींद की समस्याए
▲ फिजूल के विचार आना (OCD)
▲ सिरदर्द (माइग्रेन)
▲ शक-वहम होना
▲ सभी प्रकार के दौरे
▲ बाईपोलर डिसार्डर
▲ भूलने की बीमारी
▲ नशा मुक्ति
➢ अत्यधिक गुस्सा करना
➢ घबराहट
➢ बेचैनी
➢ स्किजोफ्रेनिया,
➢ बच्चों की व्यवहारिक समस्याएं
यहाँ पर हर प्रकार की मानसिक बीमारियों का इलाज किया जाता है।
यहाँ पर COUNSELLING के द्वारा भी इलाज किया जाता है।
APPOINTMENT की सुविधा भी उपलब्ध है।
Malik Neuropsychiatry Centre
SCO No. 31, Sector 2 Market, Near Rathi Eye Hospital, Rohtak.
समय- 9 AM से 7 PM
डॉ. आशीष मलिक
Ex. Registrar, PGIMS, Rohtak
M. 8307676466
8685805302

खबर संक्षेप

गांव डोभ में लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

रोहतक। भिवानी रोड स्थित श्री बालाजी धाम गांव डोभ पर स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। डॉ. राकेश चावला ने आखों के मरीजों की जांच, डॉ. नवदीप अत्री व डॉ अशोक रोहिल्ला ने ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, खांसी, बुखार, पेट दर्द, कान, नाक, गले की समस्या के मरीजों का स्वास्थ्य जांचा। साथ ही धाम पर बालाजी महाराज का संकीर्तन किया गया। जिसमें हितेश सोनी रोहतक, कविता झज्जर, अमित कौशिक डोभ ने भजनों प्रस्तुत किए।

रोहतक। मीटिंग करते हुए एसयूसीआई के सदस्य।

एसयूसीआई समस्याओं को लेकर करेगी आंदोलन

रोहतक। एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) जन जीवन की ज्वलंत समस्याओं को लेकर पूरे प्रदेश के जिला मुख्यालयों पर धरना प्रदर्शन करेगी। राज्य सचिव मंडल के सदस्य किसान नेता कॉमरेड अनूप सिंह मातनहेल ने बताया कि भाजपा के शासन काल में किसान मजदूर, श्रमिक, छात्र नौजवानों के जीवन में समस्याएं बढ़ी हैं। महंगाई बढ़.रही है, बेरोजगारी सारे रिकॉर्ड तोड़ चुकी है।

फसलों की जरूरत के मुताबिक अभी तक नहीं हो पाई बरसात

9 से 11 तक आसार कम, टारगेट में से 25-30 प्रतिशत ही हुई धान की रोपाई

अमरजीत एस गिल ⏭ रोहतक

प्री मानसून/मानसून की झमाझम होते हुए अब एक सप्ताह से अधिक हो गया है। लेकिन अभी तक जिले के रोहतक और सांपला खंड को छोड़कर लाखनमाजरा, महम और कलानौर में फसलों की जरूरत के मुताबिक बारिश नहीं हुई है। सांपला खंड में 51 और रोहतक में 55 एमएम बरसात गत 29 जून को हुई थी। ऐसे में इन दोनों खंडों में भी हालात थोड़े से ठीक कहे जा सकते हैं। लाखनमाजरा, महम और कलानौर में तो अभी तक सूखा ही है। इसी वजह से इन तीनों ब्लॉक में धान की रोपाई का काम तेजी नहीं पकड़ पाया है।

इन खंडों में जिन नहरों और माइनरों से किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिलता है, उनमें फिलहाल पानी की आपूर्ति बंद है। बताया जा रहा है कि 17 जुलाई के आसपास नहरों में पानी की आपूर्ति शुरू होगी। इसके बाद ही धान रोपाई के कार्य में तेजी आएगी। कृषि विभाग के आंकड़ों के मुताबिक तय टारगेट में से इस समय तक मुश्किल से 25-30 प्रतिशत धान की रोपाई हो पाई। ध्यान रहे कि जिले में 75 हजार हेक्टेयर में इस बार धान की रोपाई और बिजाई का लक्ष्य सरकार ने निर्धारित किया हुआ है। रोपाई सीजन शुरू हुए 20-22 दिन हो चुके हैं। गौरतलब है कि 15 जून से राज्य में धान की रोपाई शुरू कर दी जाती है। इससे पहले रोपाई पर प्रतिबंध होता है।

ऐसा रहेगा मौसम

रविवार शाम को चौधरी चरण हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की तरफ से अगले चार दिनों के लिए मानसून की बरसात को लेकर पूर्वानुमान जारी किया गया है। जिसके मुताबिक हरियाणा में मौसम आमतौर पर 12 जुलाई तक परिवर्तनशील रहने की संभावना है। दक्षिण-पश्चिम मानसून की सक्रियता 8 तक बने रहने की उम्मीद है। जिससे राज्य में कुछ एक क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। परंतु 9 से 11 तक मानसूनी हवाओं की सक्रियता में थोड़ी कमी आएगी। इस दौरान बरसात कम होगी। राज्य के पश्चिमी व दक्षिणी जिलों में बीच बीच में आंशिक बादल तथा कुछ एक स्थानों पर छिटपुट बूंदाबांदी या हल्की बारिश हो सकती है। इसके साथ-साथ उत्तरी जिलों में कहीं कहीं हल्की बारिश की संभावना है। बताया जा रहा है कि हवा में बदलाव से दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी होने तथा वातावरण में नमी की मात्रा में गिरावट होगी। 12 जुलाई से मानसून की सक्रियता राज्य में एक बार फिर से बढ़ने की जानकारी कृषि विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ.मदन खीचड़ ने दी है।

इस मौसम में अभी तक हुई बरसात

प्रशासन के अनुसार 29 जून को रोहतक खंड में 55, सांपला में 51, कलानौर में 4 एमएम बारिश हुई। लाखनमाजरा और महम में बरसात नहीं हुई। इस प्रकार 4 जुलाई को रोहतक में 10, महम में 4, सांपला में 1 एमएम बारिश हुई। जबकि लाखनमाजरा और कलानौर सूखे रहे। जून 2023 की बजाय जून 2024 में एवरेज बारिश का आकड़ा 17 एमएम कम है। जून 2023 में जिले में औसतन 65 एमएम, जबकि जून 2024 में 48 एमएम बरसात जून में हुई। गत वर्ष की अपेक्षा कम बारिश होने की वजह से भी धीरे-धीरे किसानों के सामने संकट खड़ा हो रहा है। हालांकि फिलहाल तक नुकसान वगैरह नहीं है। लेकिन जैसे-जैसे बरसात में देरी होगी, वैसे-वैसे नुकसान होगा। क्योंकि बरसात देरी से होगी तो धान की रोपाई लेट होगी। रोपाई लेट होगी तो फसल की पैदावार पर भी प्रतिकूल असर पड़ना लाजिमी है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि 10 जुलाई के बाद धान की अगेती किस्मों की रोपाई में देरी हो जाती है। क्योंकि अगले वैरायटी को अच्छी तरह से पकने के लिए ज्यादा समय चाहिए।

जून 2022 और 2023 में हुई बारिश

राजस्व विभाग के मुताबिक वर्ष 2022 के जून में जिले में एवरेज 37.5 एमएम बरसात हुई थी। इसमें रोहतक खंड में 16, महम 8.5, सांपला में 22, कलानौर में 10 और लाखनमाजरा में 56 एमएएम दर्ज की गई। इसी प्रकार जून 2023 में 65 एमएम औसत बारिश हुई। इसमें रोहतक में 115, महम में 34, सांपला में 110, कलानौर में 54 तथा लाखनमाजरा में 12 एमएम रिकॉर्ड की गई थी। इस वर्ष जून में गत साल की अपेक्षा कम बरसात हुई है।

बच्चों में शिक्षा के साथ संस्कार का होना जरूरी : मलिक

- भाविप के पांच दिवसीय शिविर का समापन
- शिविर में निबंध लेखन, मेहंदी और ड्राइंग प्रतियोगिता के साथ योगा करवाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

भारत विकास परिषद सेक्टर शाखा द्वारा डॉ. सूरज प्रकाश की जयंती पर लगाए गए 5 दिवसीय बाल संस्कार शिविर का समापन हुआ। यह शिविर राजकीय माध्यमिक विद्यालय सेक्टर- 3 में लगाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत व मंच संचालन सेक्टर शाखा के वरिष्ठ सदस्य कृष्ण लाल गिरधर ने किया। इस मौके पर उन्होंने भारत विकास परिषद के 5 स्तम्भों के विषय में बताया। क्षेत्रीय सचिव संस्कार राजीव मलिक ने बताया कि बच्चों में शिक्षा के साथ साथ संस्कार का होना भी जरूरी है।

कॉपी और फल दिए : मलिक ने समझाया कि बच्चों को अपनी आत्म रक्षा कैसे करनी चाहिए। शिविर में निबंध लेखन, मेहंदी प्रतियोगिता और ड्राइंग प्रतियोगिता के साथ योगा आदि करवाया गया। इसके साथ साथ एनीमिया कैंप लगाया गया। पर्यावरण दिवस के रूप में स्कूल में त्रिवेणी, अमरूद, नीम, अनार के पौधे पर्यावरण उपाध्यक्ष एमएल अरोड़ा की देखरेख में लगाए गए। प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पारितोषिक दिया गया। इसके साथ साथ सभी बच्चों को कापियां व फल दिए गए। विद्यालय मुखिया बाला देवी को भी सम्मानित किया गया।

ये रहे मौजूद

शिविर में शाखा अध्यक्ष मनोज बहल, शाखा सचिव रमेश अहलावत, संस्कार, राजीव मलिक, राकेश कुमार, मदनलाल धींगड़ा, कैलाश चंद मित्तल, कृष्ण लाल गिरधर, शकुंतला धींगड़ा, रेणु बंसल, मीनाक्षी जैन उपस्थिति रही।

महम। सेवानिवृति के मौके पर राम अवतार शास्त्री को उपहार भेंट करते स्टाफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

संस्कृत टीचर अवतार शास्त्री साढ़े तीस साल की सेवा बाद सेवानिवृत्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ महम

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय किशनगढ़ के संस्कृत अध्यापक रामअवतार शास्त्री 30 साल पांच माह की सेवा के बाद सेवानिवृत हो गए हैं। उनकी सेवानिवृति के मौके पर शनिवार को विद्यालय में विदाई समारोह आयोजित किया गया। अध्यापकों और अन्य स्टाफ सदस्यों ने राम अवतार शास्त्री का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया व उपहार भेंट किए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल प्राचार्य अजमेर सिंह अहलावत ने की। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रुप में पूर्व प्राचार्य कर्मवीर सिंह ने शिरकत की। सभी स्टाफ सदस्यों ने रामअवतार शास्त्री के कार्यों और उनके स्वभाव की सराहना की। कर्मवीर सिंह ने राम अवतार के सेवा काल की सिलसिले वार, विस्तृत जानकारी दी व उनके सामाजिक कार्यों की प्रशंसा की। सभी वक्ताओं ने उन्हें एक आदर्श अध्यापक बताया। प्राचार्य अजमेर सिंह ने सेवानिवृति के बाद भी विद्यालय में अपनी सेवा देने का अनुरोध किया। जिसको उन्होंने स्वीकार कर लिया। इस मौके पर निर्मल, हरिकिशन, नरेंद्र निर्भर, हरिकिशन, रामपाल, नरेंद्र, सरोज, सुनीता, शांता, सुमन, नेहा और मंजू समेत कई शिक्षक मौजूद थे।

गांवों से लेकर सेक्टर और बूथ तक कांग्रेस कार्यकर्ता खड़े किए जाएंगे

रोहतक। कांग्रेस भवन में हरियाणा रिटायर कर्मचारी कांग्रेस प्रकोष्ठ की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राजेन्द्र फोगाट ने की। मंच संचालन दिलबाग रूहील पोलंगी ने किया। गढ़ी-सांपला- किलोई, महम, कलानौर और लाखनमाजरा खंड के कार्यकर्ता बैठक में मौजूद रहे। इस अवसर पर अध्यक्ष महावीर मलिक ने कहा कि जुलाई में सभी जिला कमेटी अध्यक्ष, विधानसभा अध्यक्ष, खंड अध्यक्ष, प्रदेश के अध्यक्ष उदयभान के अनुमति से सभी को नियुक्ति दे रहे हैं। ग्रामीण इकाई से लेकर शहर की सेक्टर और बूथ तक कांग्रेस के लिए कार्यकर्ता खड़े कर दिए जाएंगे। इस अवसर पर प्रकोष्ठ के प्रदेश मीडिया कोऑर्डिनेटर डॉ. रमेश देहराज, महासचिव मेहर सिंह टाइगर, आजाद जौरासी, राजसिंह हुड्डा, देवी सिंह देशवाल आदि ने प्रकोष्ठ कार्यालय के लिए प्रस्ताव पारित करके प्रदेश अध्यक्ष और भूपेंद्र सिंह हुड्डा को भेजा गया।

भजन मंडलियां 31 तक करेंगी सरकारी योजनाओं का प्रचार

रोहतक। उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग द्वारा जिले में 31 जुलाई तक विशेष प्रचार अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान भजन पार्टियां गांवों में जाकर लोक शैली के माध्यम से नागरिकों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं व नीतियों की जानकारी दे रही हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत जिले के सभी गांवों में सरकार की योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को जन-कल्याणकारी नीतियों के बारे में विस्तार से बताया जा रहा है। भजन पार्टी द्वारा पौधा रोपण करने, नागरिकों को नशे से दूर रहने व अन्य सामाजिक बुराइयों के प्रति भी जागरूक करने का काम किया जाएगा।

पीडब्ल्यूडीकर्मियों ने मीटिंग में की नारेबाजी

- मीटिंग का संचालन राज्य के महासचिव सिहाग ने किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

पीडब्ल्यूडी कर्मचारियों ने बी एंड आर के प्रांगण में रविवार को गेट मीटिंग कर नारेबाजी की। इसकी अध्यक्षता राज्य के चेयरमैन सतपाल वर्मा ने की।

संचालन राज्य के महासचिव इंद्र सिंह सिहाग ने किया। इसमें राज्य के प्रधान कुलवंत शर्मा , राज्य के वरिष्ट उप प्रधान इंद्रजीत सिंह , राज्य कोषाध्यक्ष बलराज सिंह व राज्य कमेटी के सभी पदाधिकारी व प्रदेश के सभी जिला प्रधान, जिला सचिव, जिला कोषाध्यक्ष व सभी ब्रांचों के प्रधान ने भाग लिया। मीटिंग में मुख्य रूप सभी कर्मचारीयों को एलटीसी का भुगतान करना, मृतक कर्मचारी को तीन लाख का भुगतान करना, एक्सग्रेसिया नीति में 52 वर्ष की शर्त हटाना, सेवा नियम की खामिया ठीक करना, पीडब्लूडी विभाग में कनिष्ठ अभियंता व ड्राइवर के खाली पद सेवा नियम के तहत प्रमोशन करने, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने की मांग की गई। साथ ही चेतावनी दी गई कि 30 जुलाई तक सभी उपायुक्त कार्यालयों पर प्रदर्शन करते हुए उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया जाएगा। अगर सरकार ने 10 अगस्त तक बातचीत से मांगों का समाधान नहीं किया तो 11 अगस्त को मुख्यमंत्री के करनाल निवास पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। बैठक में सरदार इंद्र जीत सिंह अम्बाला, जिला अध्यक्ष अशोक यादव कुरुक्षेत्र आदि मौजूद रहे।

रोहतक। बैठक को सम्बोधित करते हुए हरियाणा यूनियन के राज्य महासचिव इंद्र सिंह सिहाग। फोटो : हरिभूमि

पौधरोपण से पर्यावरण संरक्षण का संदेश

रोहतक। दरख़्त फाउंडेशन द्वारा गांव मकडोली खुर्द के शहीद सुनील कुमार खेल स्टेडियम में पौधरोपण किया गया। डॉ. नरेश चहल ने सभी को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया और लगाए गए पौधों के संरक्षण के लिए वचन दिलाया। गाव वालों ने इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर प्रोफेसर सुरेश, जितेंद्र फोगाट, रितेश, सोनू चहल, एडवोकेट रणदीप मलिक आदि मौजूद रहे।

जाट शिक्षण संस्था प्रधान का बलियाना में स्वागत

रोहतक। जाट शिक्षण संस्था के नवनिर्वाचित प्रधान गुलाब सिंह दिमाना का गांव बालियान में स्वागत किया गया। इसका आयोजन समाजसेवी राजू ठेकेदार और जय दादा बिशादे कमेटी बलियाना द्वारा किया गया। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों और ग्रामीणों द्वारा संस्था के चहूमुखी विकास के लिए भगवान से प्रार्थना की गई। इस दौरान संस्था के उप प्रधान धर्मराज ,महासचिव नवदीप (मोनू) का भी कमेटी व ग्रामीणों द्वारा अभिनंदन किया गया। प्रधान दिमाना ने समिति सदस्यों और ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि लोगों द्वारा संस्था की जो जिम्मेदारी सौंपी है उस पर खरा उतरेंगे। कार्यक्रम में जोगिंद्र कोच,राजेश तहलान, डॉ. देवेंद्र सिंह बालंद,पवन कादियान, जयकुमार (नीटू) सुरेंद्र ढुल, वेदपाल छिल्लर महिपाल कारोर, समुन्द्र चैयरमेन ,अशोक मायना, राजपाल बुधवार, अभिमन्यु भालौठ मिल रहे।

पटवापुर गांव में पौधे लगाए

रोहतक। पटवापुर गांव के अंबेडकर भवन में फलदार पौधे लगाए गए। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष सूरजमल किलोई ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया जा रहा है। इस बरसात के मौसम में ज्यादा से ज्यादा अपने आसपास के इलाके में पेड़ लगाने चाहिए ताकि बढ़ते हुए तापमान से प्रकृति को बचाया जा सके। इस मौके पर भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश सचिव अजय खुंडिया, पूर्व सरपंच से जयवीर कटारिया, महेंद्र सिंह कटारिया, मंगतराम, जोनी कटारिया, अनिल, रोहित, राहुल, रामपाल कटारिया, पाली, उमेद सिंह, नवीन कटारिया, मोहित, पुनीत, हिमांशु, विकास कटारिया, कृष्ण सिंह, ईश्वर रामचंद्र कटारिया, प्रतीक, बलवंत फौजी, सोनू कटारिया मौजूद रहे।

रोहतक। पौधारोपण करते हुए भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष सूरजमल किलोई, अजय खुंडिया ,पूर्व सरपंच जयवीर कटारिया व ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला । फोटो : हरिभूमि

'हुड्डा ने दीपेंद्र को जितवाने के लिए राज्यसभा सीट भाजपा को गिफ्ट दी'

रोहतक। पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने दीपेंद्र को लोकसभा का चुनाव जितवाने के लिए राज्यसभा की सीट भाजपा को गिफ्ट दे दी थी। उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस की सांठगांठ जगजाहिर हो गई है। यहां पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए दुष्यंत चौटाला ने कहा कि कांग्रेस आज राज्यसभा चुनाव का मैदान छोड़कर भाग रही है, जो कि भूपेंद्र हुड्डा द्वारा रोहतक लोकसभा के बदले भाजपा को राज्यसभा की सीट देने की डील को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि राज्यसभा चुनाव में कोई सामाजिक उम्मीदवार चुनाव लड़े, ताकि विपक्ष की एकजुटता से हम अल्पमत में आई भाजपा सरकार को करारा जवाब दे सकें। पत्रकार वार्ता से पहले दुष्यंत चौटाला और डॉ. अजय सिंह चौटाला ने विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं की बैठक ली। उन्होंने अगले 100 दिनों को अहम बताते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं को विधानसभा चुनाव की तैयारी और संगठन मजबूती के बारे में दिशा-निर्देश दिए।

हमारी मेहनत रंग लाएगी : दुष्यंत चौटाला ने बताया कि जेजेपी कार्यकर्ता बदलाव का संकल्प लेकर विधानसभा चुनाव के मैदान में उतरेंगे। उन्होंने कहा कि अगले 100 दिन कार्यकर्ताओं द्वारा की गई मेहनत रंग लाएगी और हम सब मिलकर प्रदेश में बदलाव लेकर आएंगे। दुष्यंत चौटाला ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे जनसंपर्क अभियान बढ़ाएं। कार्यकर्ता भाजपा व कांग्रेस की गलत नीतियों को उजागर करें और जेजेपी द्वारा करवाए गए विकास कार्यों और नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा, प्रभारी रमेश खटक, बलवान सुहाग, दलबीर भराण, हरज्ञान मोखरा, प्रदीप देसवाल, रविंद्र सांगवान, मनोज बालंद, संदीप हुड्डा, मीना मकड़ौली, संजय बल्हारा, जीतेन्द्र बल्हारा, राजेश सैनी, माहले खत्री, कृष्ण घनघस, रमेश मोखरा, रविन्द्र बखेता, हरकिशन खटक, राजेश गुलिया, महेंद्र, जगदीश धानक, सीना पहलवान, जेपी माली आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

दयानंदमठ में मासिक वैदिक सत्संग का आयोजन

परमात्मा की आज्ञाओं का पालन करें: सन्तराम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

आर्य प्रतिनिधि सभा हरयाणा दयानंदमठ में मासिक वैदिक सत्संग का शुभारंभ यज्ञ द्वारा किया गया। यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य सन्तराम रहे। उन्होंने बताया कि परमपिता परमात्मा की आज्ञाओं का हमें कठोरता से पालन करना चाहिए एवं ऋषि-मुनि, महापुरुषों के बताए हुए मार्ग पर चलने का प्रयत्न करना चाहिए।

बहन दया आर्या, सत्यनारायण आर्य एवं आर्य प्रतिनिधि सभा हरयाणा के भजनोपदेशक सत्यपाल मधुर ने भजनों के माध्यम से देश-भक्ति, पाखंड-खंडन, भारत देश की वर्तमान दुर्दशा तथा ऋषिवर देवदयानंद द्वारा समाज के लिए किए गए उपकार आदि के बारे में सुंदर संदेश दिया। सुभाष सांगवान प्रधान वेदप्रचार मंडल ने बताया कि हम सबको अपने महापुरुषों को याद करना चाहिए जिनसे हमें प्रेरणा मिलती है। उन्होंने महर्षि दयानंद सरस्वती के जीवन तथा कार्यों के बारे में विस्तार से चर्चा की। मुख्यवक्ता वैदिक विद्वान आचार्य वेदमित्र ने बहुत ही सुन्दर एवं सरल शब्दों में प्रवचन के माध्यम से मनुष्य के उत्तम जीवन के प्रमुख उद्देश्य पर विचार रखे। उन्होंने बताया कि महर्षि दयानंद सरस्वती ने समाज के लिए अनेक कार्य किये। आचार्य वेदमित्र ने बताया कि मनुष्य अपने स्वभाव व प्रवृत्ति से अपना निर्माण करता है। उसकी जैसी प्रवृत्ति होगी उसका परिणाम उसी प्रकार से होगा। उन्होंने आचार्य बलदेव महाराज से सम्बन्धित अनेक संस्मरण भी सुनाये तथा उन्होंने सभी आर्यजनों को स्वाध्याय एवं सत्संग से जोड़ने का भी प्रयास किया और कहा कि हम आर्यों को पुरुषार्थ एवं शुभकर्म करते हुए तथा अच्छे लोगों के संसर्ग में आकर अपने जीवन को बदलना चाहिए। हमें अच्छे कर्म करने चाहिए। इस अवसर पर बहन दया आर्या, आचार्य सन्तराम, हवासिंह राठी, रामकिशन बाल्याण रिटायर्ड तहसीलदार सहित उपस्थित रहे।